

बच्चों के बारे में

बच्चों के बारे में
बनाई गई ढेर सारी योजनाएँ
ढेर सारी कविताएँ
लिखी गई बच्चों के बारे में

बच्चों के लिए
खोले गए ढेर सारे स्कूल
ढेर सारी किताबें
बाँटी गई बच्चों के लिए

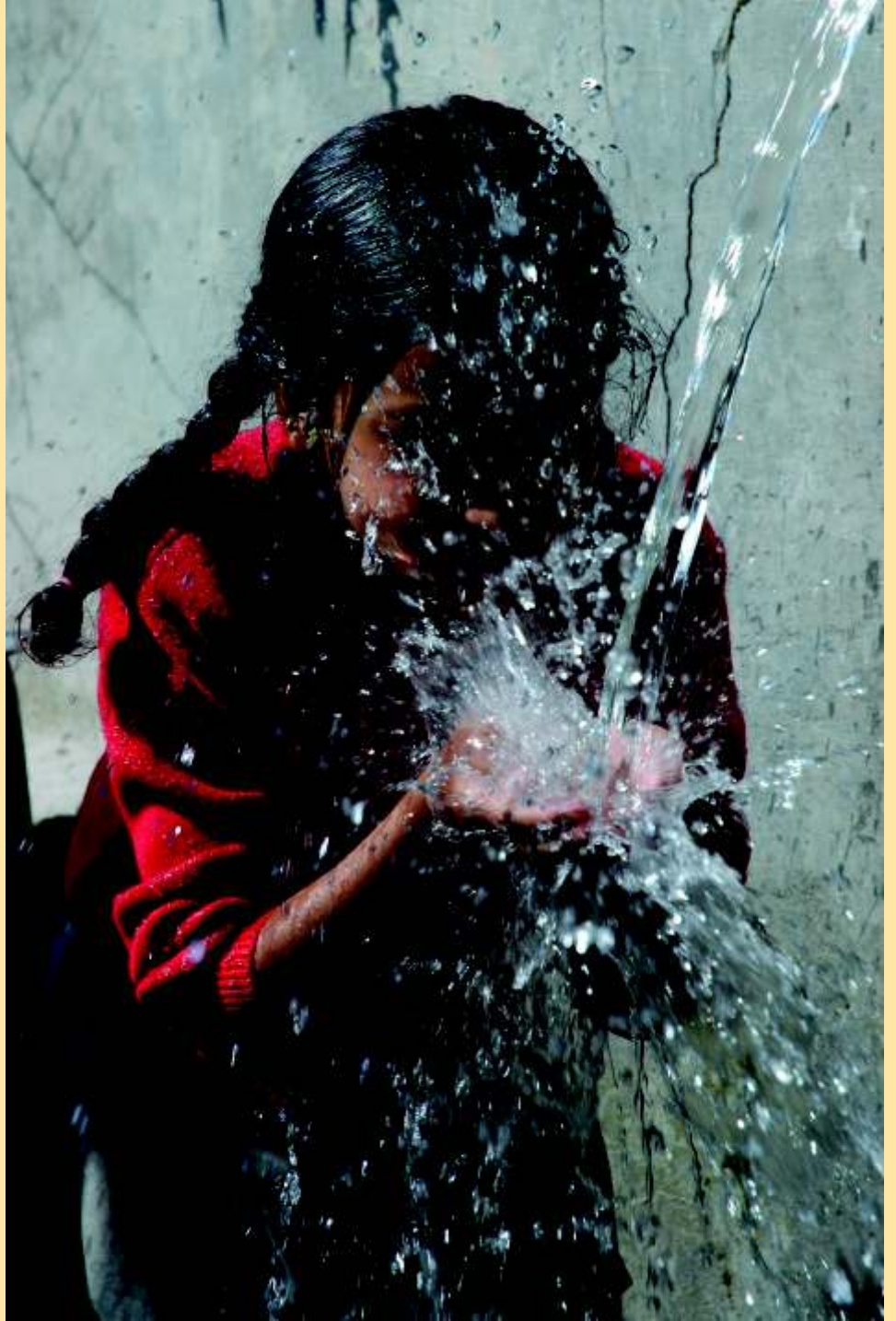
बच्चे बड़े हुए
जहाँ थे
वहाँ से उठ खड़े हुए बच्चे

बच्चों में से कुछ बच्चे
हुए बनिया हाकिम
और दलाल
हुए मालामाल और खुशहाल

बाकी बच्चों ने सड़क पर कंकड़ कूटा
दुकानों में प्यालियाँ धोई
साफ किया टट्टीघर
खाए तमाचे
बाज़ार में बिके कौड़ियों के मोल
गटर में गिर पड़े

बच्चों में से कुछ बच्चों ने
आगे चलकर
फिर बनाई योजनाएँ
बच्चों के बारे में
कविताएँ लिखीं
स्कूल खोले
किताबें बाँटीं
बच्चों के लिए

गोरख पाण्डेय



फोटो: सर्वेश